

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया 2 लाख 7 हजार हनुमान चालीसा पाठ का आँकड़ा पार

पंजाब कैसरी

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी



गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब कैसरी): सामाजिक संस्था पंजाबी विरादरी महासंगठन के अध्यक्ष एवं सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में सेक्टर 9ए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गत मंगलवार के आयोजन में 450 श्रद्धालुओं ने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 श्रद्धालुओं ने 5-5, सुशांत लोक में 22 श्रद्धालुओं ने 7 बार और 2 योगा शिक्षकों सहित 40 श्रद्धालुओं ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस

प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। उन्होंने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।

छोटीबड़ीबात

अजरा ही के दिन 1947 में अखिल भारतीय कांग्रेस ने नई दिल्ली में भारत के विभाजन के लिए हिंदी संसद स्वीकार की थी।



damkibhaskarup.com

दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर

कंपन: एन-21, एन-100, गुणक: 1, कुल पृष्ठ: 21, कुल 8.00 रुपये

जाली, मोटा, लखनऊ और देवरगढ़ से प्रकाशित



पर स्वाकृत मानाचत्र का वपरात एक, आद माजूद रह।

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग

• समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

मास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टाचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है। इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने



हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यांति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी

कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोडिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कथूरिया की उपस्थिति रही।

गुड़गांव टुडे

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

- बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग।
- युवा वर्ग को मिल रहा संस्कार रूपी ज्ञान।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनिवर्गों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही।



गुरुग्राम में श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान अपना बक्तव्य देते बोधराज सीकरी।

बोधराज सीकरी को हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ

हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित धियाग पर्यटनस्थल स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल

पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पाठ कर गयी है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में

छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का विक्रम करते हुए उन्होंने कहा कि उस

जमाने में कैसे मृत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो बेधरी, मधुमा, पश्यन्ति, पाप और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। मृत तत्व का ज्ञान दिख। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपी टेक्नोलॉजी का विक्रम किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे शृंगी ऋषि ने पत्त के माध्यम से महाराज दुहराय के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। जो टेक्नोलॉजी कहा है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेशा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसवाई ने संगीतमय पाठ कर समां किया। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडीक, एससी कपूर, सुभाष ग्रीवर एडवोकेट, परेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज विवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तेश्वर, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

नये भारत का अखबार



गुड़गांव मेला

DAVP, Northern Rly., DTPR Haryana के डिपार्टमेंट के लिए अखबार हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

झूरी/गुड़गांव मेला
गुड़गांव, 14 जून। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुआई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तिगतों की संख्या 450 थी, जिनमें 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने

7 बार और दो योगी टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया।

साथ ही सेक्टर 9ए संवत् पिराग फर्निचरेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पर कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मूनि जो ने जब साठेंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सतर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व

का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी भी बैबिली, मध्यमा, पर्यन्ति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अमर्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे गुलसों से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रुंगी ऋषि ने पत्र के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का उरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए देखा खोजी थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों



को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।

इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुभांगु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गूढ़ कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ

बताता नहीं तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है? या इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यही हैं। जब हम सातविक यातावरण में सर्रास कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तार्मसिक प्रकृति के होते हैं तो हम नरक में हैं।

इस अवसर पर गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष घोषर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चिन्तोडिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में जगदीश घोषर, अशोक दिवाकर, एच.एस चाबला, गिरिराज डोंगड़ा, मोहित घोषर, एस.के.खुल्लर, राम लाल घोषर, सतीश चौधरी, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, शर्मिष्ठा बजाज, रमेश कामरा, न्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोपा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चूग, किशोरी दुडेजा, सुरेंद्र बरेंजा, दलीप चूधरा, अनिल कुमार, वासुदेव घोषर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, डारका नाथ, नरिंदर कथुरिया की उपस्थिति रही।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित



पार्यानिर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

— बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग —

युवा वर्ग को मिल रहा संस्कार रूपी ज्ञान

पार्यानिर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों-मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है, क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात



गुरुग्राम में श्रीगौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान अपना वक्तव्य देते बोधराज सीकरी।

उन्होंने यहां श्रीगौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही। बोधराज सीकरी की हनुमान

चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर दो लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराम

फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या दो लाख 7 हजार पार कर गयी है।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनिजी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो बैखरी, मध्यमा, पश्यति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र

किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया।

वो टेक्नोलॉजी कहाँ है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष प्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोजिया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

गुरुग्राम केसरी

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : सीकरी

गुड़गांव, 14 जून (ब्यूरो): समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

आयोजन में सीकरी ने हनुमान

चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है “गुरु गीता” जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार “अगस्त्य संहिता” में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि

ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।

इस अवसर पर गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोडिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज की उपस्थिति रही।

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्वक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। सामाजिक संस्था पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष एवं सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में सेक्टर 9ए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गत मंगलवार के आयोजन में 450 श्रद्धालुओं ने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 श्रद्धालुओं ने 5-5, सुशांत लोक में 22 श्रद्धालुओं ने 7 बार और 2 योग शिक्षकों सहित 40 श्रद्धालुओं ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यंति, परा और अपरा विधि।



कार्यक्रम में शामिल संस्था के पदाधिकारी व श्रद्धालु।

इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहां हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा

खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक

दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला स्वामी सुधांशु महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। बोधराज सीकरी ने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताया नहीं तो स्वर्ग और नरक

किसने देखा है। इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यही हैं। जब हम सात्विक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं। गजेंद्र गौसोई ने संगीतमय शैली में पाठ किया, जिसमें गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एमपी चित्तोजिया, पीपी मेहता का सहयोग रहा। गौरतलब है कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। इस अवसर पर जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एचएस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एसके खुल्लर, रामलाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डा. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेश्वर बजाज, रमेश कामध, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अधिनी वर्मा, रणधीर टंडन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश खेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरेंद्र कथूरिया आदि मौजूद रहे।

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

● समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

● युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराए ऋषि : बोधराज सीकरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो
गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुआई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिनमें 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित धिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार बार कर गयी है।



इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सृष्टि मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु लक्ष का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैथरी, मध्यमा, पर्याप्त, परा और

अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य साहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे भृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहां हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रखा था। इन टेक्नोलॉजीय को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा वर्ग में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सधम हैं उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम

पूजनीय स्वामी श्री सुधांतु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका अभ्यास इस प्रोग्राम की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गूढ़ कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिंदा जाता नहीं और मरत हुआ जाता नहीं तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है। यह इसकी चर्चा-चार-चार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यहीं हैं। जब हम सात्विक खातावरण में सलसंग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं। इस अवसर पर मर्हेन्द्र गोसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां कांथा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष घोषर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोजि, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश घोषर, असोक दिवाकर, एच.एस. चावला, गिरिराज शिंगड़ा, मोहित घोषर, एस. के. खुल्लर, राम लाल घोषर, सतीश चौपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अरविनी वर्मा, रमणीय टन्डन, तिलक चानवा, रमेश चुटनी, रवि मनोवा, सुभाष गांधी, जगदीश रंजेजा, राजेश पुग, किशोरी कुटेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लुधरा, अनिल कुमार, वासुदेव घोषर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, त्रिंदर कचूरिया की उपस्थिति रही।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

गुजरात सरकार के बोधराज सीकरी को अगुआई में कल दिवस 13 जून, मंगलवार को श्री श्री शंकर मंदिर, मेनटार-6-ए, गुजरात में सुंदरकांड पाठ और अनुष्ठान प्रारंभिक पाठ का आयोजन किया गया। अक्षरों काट दे कि मुद्रिम के सल 800 तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। यह मंगलवार के आयोजन में पूरा जलियाँ की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 का पाठ प्रकल्प तरीके से किया। आयुक्त शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 का पाठ किया, सुरांग लोक में 22 लोगों ने 7 बार और श्री योग टोचम संघ 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही मेनटार जू किया धरम सर्वोदय संघ के 50 बच्चों ने भी अनुष्ठान प्रारंभिक में भाग लिया। इस प्रकार मुद्रिम के सल अब तक कुल पाठ से संख्या 2 लाख 7 हजार पर कर रही है। इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हरमन प्रारंभिक और सुंदरकांड पाठ में विभिन्न रत्नों को उजागर किया। साथ ही एक शेष है 'गुरु पीठ' जिसमें विभिन्न टेक्नोलॉजी का शिक्षण किया कि इस प्रकल्प में कैसे गुरु मुद्रिम को ने जय खांडि विवरण नहीं था जो किताब टेक्नोलॉजी से सल हरमन लोगों को संबोधित किया और गुरु सल का उल्लेख दिया। यह टेक्नोलॉजी को बँकरो, पंचमस, पञ्चम, परा और अमरा विधि। इसे प्रकल्प 'अमरस्य सौख्य' में विभिन्न टेक्नोलॉजी का शिक्षण किया कि कैसे सुखसे से विज्ञान का आविष्कार किया गया कैसे बुद्धि और ने गुरु के पाठ्य से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को जन्म करने का वरदान दिया। जो टेक्नोलॉजी कहें हैं जो लक्ष्मण ने मातृ पीठ को सुरक्षित रखने के लिए देखा कीन्ही थी। इन



टेक्नोलॉजी को भी गुरु उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार जन्मि पाठ विषयों पर व्याख्यान दिवस और आग्रह किया कि ऋषियों मुद्रिमों की धरम और अमरा होगा और इन रत्नों को उजागर करवा होगा ताकि आज का युवा वर्ग में विभिन्न रत्नों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक बुद्धिमत्ता का है और उसे सल से प्रभार्य करीए और हमारे सल ही महान है उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारभूत धारः स्मरणीय, परम गुरुगीय स्वामी श्री सुरांगु को महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। शिक्षा आभास इस धरम को प्रकाशयक बनाने में होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी को का एक बहुत गुरुय उपाकरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गदक कर दिया। उन्होंने बताया कि एक सा स्वामी जो ने कहा था कि 'विद्यया चातु नही' और यह हुआ चातु नही' तो स्वर्ग और भक्त विषय देखें हैं व इसको सचों का-का होती

है। अतः स्वर्ग और भक्त नहीं है। जब इस प्रारंभिक साक्षात्कार में सम्मेलन कर रहे हैं तो इन सचों स्वर्ग में है और जब स्वर्गिक प्रकृति के लोके हैं तो इन सचों में है। इस अवसर पर गणेश भोवत ने प्रारंभिक पाठ कर सल बँका। श्री शंकर मंदिर के परामर्शकारी एन पी चंडेक, एन सी कपूर, गुजरात प्रोफेसर्स एंड रिसर्चर, श्री अशोक, विजय अरोड़ा, सन्दीप खिलेरी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एन पी चिचोदिय, पी पी चोपड़ा का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में परमेश प्रोफेसर्स, अनेक दिवाकर, एच.एस. बाबसा, विनीतय शिंगु, मोहित कोर, एन. के. चूडा, एन. लाल प्रोफेसर्स, सुरांग शिंगु, डॉ. परमेश अरोड़ा, वनेंद्र शंकर, रमेश कामरा, ज्योत्सना बनन, रमेश बनन, अश्विनी शर्मा, सश्री टाचर, प्रकाश चवला, रमेश चंडा, वि.पी. पंचोप, गुजरात गुरु, जयदीप शंकर, वनेश गुन, विजयी इंदिरा, सुरेंद्र शंकर, एन.पी. लूथरा, अमित कुमार, समरिंद शंकर, अमर नुनेन, वनमनार नुनेन, इतना शल, मंदिर काठिया को उरुसिवा की।

आज समाज

www.aajsamaaj.com

वे
बि
के

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

आज समाज नेटवर्क

गुरुग्राम। हरियाणा सीकर में कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आन होना और पौरुषिक कला की तकनीकों को उजागर करना होगा। युवाओं में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जल्दी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक क्रांति के है। उसे सब से प्रभाव चहिए और हमारे सब हो सके हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने कहा श्री गौरी

शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कहे। बोधराज सीकरी को हनुमान चालीसा पाठ की मुद्रिका के ज्ञान अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराय भवन में आयोजित के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में पाठ लिखा। इस प्रकार मुद्रिका के ज्ञान अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर रही है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब खांडंड सिस्टम नहीं था तो बैलरी, मधुमा, पशुपति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबंधित किया।

गुरु ज्ञान का ज्ञान विद्या। इसी प्रकार अत्यन्त सौंदर्य में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे बुधो ज्ञान ने वज्र के माध्यम से

मासराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का शरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहा है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रक्षा रखी थी। इन टेक्नोलॉजी को सब पूरा उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गणेश मोसई ने संगीतमय पाठ कर समां बोध। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, परमवी कपूर, सुधाप प्रोफ़ एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसजी चित्तौड़िया, सोम मेहता का विशेष सहयोग रहा।



अपना वक्तव्य देते बोधराज सीकरी।

हरियाणा की आवाज़

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग



गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से

प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही। बोधराज सीकरी की हनुमान चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से

अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे

रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो बैरखरी, मध्यमा, पश्यति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे द्वांगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तोजिया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

सच कहें

Sirsa
Ragd
HART

● ज्येष्ठ शुक्ल १२ - विक्रम संवत् २०८०

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्यों से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

● बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग

गुरुग्राम(सच कहें न्यूज)।

हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही। बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने



सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान अपना वक्तव्य देते बोधराज सीकरी।

भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है।

बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। उन्होंने कहा कि एक ग्रंथ है गुरु गीता। जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो बैखरी, मध्यमा, पश्यति, परा और अपरा विधि टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित किया। गुरु तत्व का ज्ञान दिया। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि

कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहां है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजी को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस अवसर पर गजेंद्र गौसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तोजिया, पीपी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

वीरवार

गुरुग्राम

दिनांक : 15/6/23

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

युवा वर्ग को ग्रंथों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी



बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मन्दिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है। इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है "गुरु गीता" जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम

नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार "अगरस्त्य संहिता" में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहीं हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं। इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांशु जी महाराज के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गदगद कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि "जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ बताता नहीं" तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है स इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और नरक यही हैं। जब हम सात्विक वातावरण में सत्संग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं।

इस अवसर पर गजेंद्र गोसाईं ने संगीतमय पाठ कर समां बांधा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तोडिया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश ग्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस चावला, गिरिराज ढींगड़ा, मोहित ग्रोवर, एस. के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टन्डन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लूथरा, अनिल कुमार, वासुदेव ग्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कथूरिया की उपस्थिति रही।

रण टाइम्स

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

- समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर
- युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

राज गुप्ता
गुरुग्राम, (रण टाइम्स)।
समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुआई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मंदिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिनमें 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जमपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ किया, सुशांत लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योग टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया।

साथ ही सेक्टर 9ए स्थित चिरण फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज



सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गीता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उस जमाने में कैसे सूत मूनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सतर हजार लोगों को संबोधित किया और

गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पर्यवर्त, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार -अणुस्व स्त्रिता- में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दशरथ के चार पुत्रों

को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहीं है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रेखा खींची थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और अवगत किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए। इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणीय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांतु जी महाशय के करकमलों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गूढ़ कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि -जिंदगी जाना नहीं और मृत हुआ बताया नहीं- तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है या इसकी चर्चा बार-बार होती है। अतः स्वर्ग और

नरक खरी है। जब हम सार्विक खतराकरण में सतसंग कर रहे हैं तो हम सभी स्वर्ग में हैं और जब तामसिक प्रकृति के होते हैं तो हम नरक में हैं।

इस अवसर पर गजेंद्र गौसाई ने संगीतमय पाठ कर समां खंभारगौरी शंकर मंदिर के प्रदाधिकारी एन पी चंडेक, एच सी कपूर, सुभाष श्रोवर एडवोकेट, नरेश अडवाकल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तौड़िया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में जगदीश श्रोवर, अशोक दिवाकर, एच.एस. चावला, गिरिगज खेंगड़, मोहित श्रोवर, एस. के. सुखर, राम लाल श्रोवर, सतीश चोपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेश बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी वर्मा, रणधीर टंडन, तिलक चानना, रमेश चुटानी, रवि मनोचा, सुभाष गांधी, जगदीश रखेज, राजेश चुग, किरोरी दुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, दलीप लुधग, अनिल कुमार, वासुदेव श्रोवर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कथूरिया की उपस्थिति रही।

3 महारा हरियाणा
मैट्रो का सख्त मातल मिशन बड़ा
का, लड़े खटौना - राज्याल

6 विचार क्रान्ति
मुसुर्गे पर बहल दुर्लखवर
संस्कारहीन समाज को पहचान

8 हरियाणा
परतलसि परिसर 100 स्कूलों पर
मलाएले टोल टिक्स - गौरव सिंगल

10 फीचर
एडंटन ले उलन ले
पहचान रखवे दे मादु

12 हरियाणा
संसा लिं पर आने करी रिकरतों
को प्रथमिकता दे - देवें सिंह



पेज 11

राष्ट्रीय दैनिक

संस्कारहीन समाज को पहचान
8 पत्रिका बरके विनाकी विचारमा इल करे, जे इतने बड़ा मुझे विवेक पेश करे को है

जगत क्रान्ति



वर्ग - 44 प्रक - 154
जीन्द
गुरुवार, 15 जून, 2023
पृष्ठ 12 | मूल्य ₹3

हरियाणा का सर्वमान्य लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail : jagatkrantijind@gmail.com

जीन्द (हरियाणा) से प्रकाशित

हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग : सीकरी

जगत क्रान्ति ►► एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : सामाजिक संस्था पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष एवं सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की अगुवाई में सैक्टर 9ए स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर परिसर में सुंदर कांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। गत मंगलवार के आयोजन में 450 श्रद्धालुओं ने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया।

जामपुर शिव मंदिर में 30 श्रद्धालुओं ने 5-5, सुशांत लोक में 22 श्रद्धालुओं ने 7 बार और 2 योगा शिक्षकों सहित 40 श्रद्धालुओं ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सैक्टर 9ए स्थित चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में



भाग लिया।

इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गई है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से 70 हजार लोगों को संबोधित

किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी बैखरी, मध्यमा, पश्यति, परा और अपरा विधि। इसी प्रकार अगस्त्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से बिजली का आविष्कार किया गया। गौरतलब है कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं
ऋषि : बोधराज सीकरी

भारत सारथी
गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी को अगुवाई में कल दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी शंकर मंदिर, सेक्टर-9-ए, गुरुग्राम में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 बार पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जामपुर शिव मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 बार पाठ

किया, सुरांग लोक में 22 लोगों ने 7 बार और दो योगा टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 बार पाठ किया। साथ ही सेक्टर 9ए संयुक्त चिराग फाउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है।
इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है गुरु गौता जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का उद्घाटन किया कि उस जमाने में कैसे सूत मुनि जी ने जब साउंड



सिस्टम नहीं था तो किस टेक्नोलॉजी से सत्तर हजार लोगों को संबोधित किया और गुरु तत्व

का ज्ञान दिया। वह टेक्नोलॉजी थी वैखरी, मध्यमा, परसीत, परा और अपरा ऋषि। इसी प्रकार अगल्य संहिता में छिपे टेक्नोलॉजी का उद्घाटन किया कि कैसे तुलासी से बिजली का आविष्कार किया गया। कैसे श्रुंगी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महाराज दरारण के चार पुरों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहाँ हैं जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए रखा खींचो थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।
इस प्रकार उन्होंने गहन विषयों पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे आना होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा वर्गों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रभाव चाहिए

और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।
इस मंदिर की आधारशिला प्रातः स्मरणाय, परम पूजनीय स्वामी श्री सुधांतु जो महाराज के करकपल्लों द्वारा हुई थी। जिसका आभास इस प्रांगण की सकारात्मक ऊर्जा से होता है। बोधराज सीकरी ने स्वामी जी का एक बहुत पुराना उदाहरण प्रस्तुत कर लोगों के मन को गूढ़ कर दिया। उन्होंने बताया कि एक बार स्वामी जी ने कहा था कि जिंदा जाता नहीं और मरा हुआ जाता नहीं तो स्वर्ग और नरक किसने देखा है या इसकी चर्चा बार-बार होती है। अब स्वर्ग और नरक यही हैं। जब हम सार्विक खातावरण में सस्संग कर रहे हैं तो हम यथी स्वर्ग में हैं और जब तार्मयिक प्रवृत्ति के होते हैं तो हम नरक में हैं। इस अवसर पर गुरुदेव गोवर्द्ध ने संगीतमय पाठ कर समों आया। गौरी शंकर मंदिर के

पदाधिकारी एन पी चंडोक, एच सी कपूर, सुभाष घोषर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज बिबेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एस पी चित्तौड़िया, पी पी मेहता का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में जगदीश घोषर, अशोक दिव्यकर, एच.एस. पायल, गिरिराज हीमड़ा, मोहित घोषर, एस. के खुल्लर, राम लाल घोषर, सतीश चौपड़ा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा, धर्मेश बजाज, रमेश कामरा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, अश्विनी शर्मा, रमधीर टन्डन, विलक चानना, रमेश घुटानी, रवि मनीषा, सुभाष गांधी, जगदीश रंखेजा, राजेश चुग, किशोरी डुडैजा, सुरेंद्र चंरंजा, दलीप लुध्वा, अचल कुमारा, सायदेव घोषर, अजय जुनेजा, राजकुमार जुनेजा, द्वारका नाथ, नरिंदर कश्यप को उपस्थित रहने।

अमर भारती

संस्करण

एक उम्मीद

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी ने कहा कि ऋषियों मुनियों को फिर आने आना होगा और पौराणिक काल की तकनीकों को उजागर करना होगा। ग्रंथों में छिपे रहस्यों से आज की पीढ़ी परिचित हो सके, यह जरूरी है। क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है। उसे सतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं इसे उजागर करने के लिए। यह बात उन्होंने यहां श्री गौरी शंकर मन्दिर सेक्टर-9-ए में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ के दौरान कही। बोधराज सीकरी की हनुमान चालीस पाठ की मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक स्थानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं। सेक्टर 9ए स्थित



चिराग फॉउंडेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पार कर गयी है। बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। इस अवसर पर

गजेंद्र गोसाई ने संगीतमय पाठ कर समां खांथा। गौरी शंकर मंदिर के पदाधिकारी एनपी चंडोक, एचसी कपूर, सुभाष गोवर एडवोकेट, नरेश अग्रवाल, विजय अरोड़ा, मनोज त्रिवेदी, दिनेश शर्मा, राज कुमार, एसपी चित्तौड़िया, पीपी महता का विशेष सहयोग रहा।

Bharat Sarathi

A Complete News Website

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर

युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि: बोधराज सीकरी

मुठस्रान। समाजसेवी बोधराज सीकरी की अगुवाई में चालू दिनांक 13 जून, मंगलवार को श्री गौरी ठाकुर मन्दिर टोकट-9-ए, मुठस्रान में सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

आपको बता दें कि मुहिम के तहत अब तक 32 से अधिक ठानों पर 2 लाख एक हजार से अधिक पाठ हो चुके हैं।

गत मंगलवार के आयोजन में कुल व्यक्तियों की संख्या 450 थी, जिन्होंने 11-11 पाठ पाठ भक्तिमय तरीके से किया। जमपूर स्थित मंदिर में 30 लोगों ने 5-5 पाठ पाठ किया, सुर्वात लोक में 22 लोगों ने 7 पाठ और दो योगी टीचर्स सहित 40 लोगों ने 1 पाठ पाठ किया।

साथ ही लैक्टोर 9ए स्थित धिरांग पॉइंटेशन स्कूल के 50 बच्चों ने भी हनुमान चालीसा में भाग लिया। इस प्रकार मुहिम के तहत अब तक कुल पाठ की संख्या 2 लाख 7 हजार पाठ कर गयी है।

इस आयोजन में बोधराज सीकरी ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर किया। साथ ही एक ग्रंथ है "गुरु गीता" जिसमें छिपी टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि उठा जमाने में कैसे युवा मुनि जी ने जब साउंड सिस्टम नहीं था तो फिर टेक्नोलॉजी से सतत हजार लोगों को संतुष्ट किया और गुरु तत्व का ज्ञान दिया। यह टेक्नोलॉजी भी बैटरी, मध्यम, पश्चिमी, पाठ और अपरा विधि। इसी प्रकार "अगस्त्य संहिता" में छिपे टेक्नोलॉजी का जिक्र किया कि कैसे तुलसी से विजली का आविष्कार किया गया। कैसे भूमी ऋषि ने यज्ञ के माध्यम से महादेव के चार पुत्रों को उत्पन्न करने का वरदान दिया। वो टेक्नोलॉजी कहां है जो लक्ष्मण ने माता सीता को सुरक्षित रखने के लिए देखा छीपी थी। इन टेक्नोलॉजीज को संत पुरुष उजागर कर सकते हैं।

इस प्रकार उन्होंने गहन विषयो पर व्याख्यान दिया और आग्रह किया कि ऋषियों मुनियों को फिर आगे अज्ञान होगा और इन रहस्यों को उजागर करना होगा ताकि आज का युवा ग्रंथों में छिपे रहस्यों से परिचित हो सके क्योंकि आज का युवा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का है और उसे संतों से प्रमाण चाहिए और हमारे संत ही सक्षम हैं उजागर करने के लिए।



CAPITAL Euphoria

ONE TRUSTED NAME SINCE 2016
WE ARE THE BEST LOAN PROVIDER. WE DEAL IN

1. BUSINESS LOAN
2. PERSONAL LOAN
3. AUTO LOAN
4. LOAN AGAINST PROPERTY
5. HOUSING LOAN
6. OVERSEAS

PLEASE CALL: 9999999999
PLEASE CHECK YOUR BANK STATEMENT ONLY IN STRICT BANK IN SYSTEM

CAPITAL Euphoria





Home > Bodhraj Sikri > बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम से जुड़ रहा हर वर्ग, युवा वर्ग को मिल रहा संस्काररूपी ज्ञान

ajeybharat © Wednesday, June 14, 2023

समाजसेवी बोधराज सीकरी ने किया हनुमान चालीसा और सुंदरकांड पाठ में छिपे रहस्यों को उजागर



युवा वर्ग को ग्रन्थों में छिपे रहस्य से परिचित कराएं ऋषि : बोधराज सीकरी